

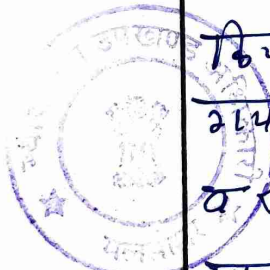
17/3/21

पत्रवली पैरा हुई। कठुलप्य फॉरेन उपस्थित।
 प्राची अधिवक्ता ने प्रार्थना पत्र सं. धारा 15।
 CPC व 136 के प्रार्थना पत्र कहस सुनने का
 निर्वेदन किया। प्राची अधिवक्ता ने अपनी कहस
 में प्रार्थना पत्र में संश्लित तथ्यों की दोहराया
 कि अमीन हाल खसरा नं. 119 खुवा 1. 10
 टैक्यार सारद राजस्व ग्राम वाल चूईला तह-
 सील मखलीअ में स्थित है हाल खसरा नं.
 119 गत खसरा नं. 25 मीन ग्राम चूईला
 से बना है। खसरा नं. 119 के आवेदनपत्र
 संयुक्त रूप से कहिसा कराव ट टड हिल्ले
 से खत खातेदार है, गत खसरा नं. 25 ग्राम
 चूईला की गत मन्शासिह में डोटिड लाइन
 से कोई अस्थाई रास्ते का अंकन नहीं है। इन्हे
 भागे के खसरा नं. 25, 31, 32 ग्राम चूईला की
 गत नक्काकति में भी डोटिड लाइन से किली
 उकार का रास्ते का अंकन नहीं है भू प्रबन्ध विभाग
 दौरा में भू विभाग ने बात खसरा नं. 119 से हल



लजातार

खसरा नम्बर कायम डिए है व गत नकशा-
शीट कायम की नू-प्रवच विभाग ने बिना
डोत्राधिकार डे हाल खसरा न. 119 डे कुरी
सीमा डे सभारे-सभारे खसरा नम्बर की धमी
में गलत रूप से अस्थाई रास्ते (डोटेंड लाइन)
का अंकन कर दिया है; इस डोटेंड लाइन को
विलोपित कर हाल खसरा नम्बर 119 ग्राम
बाज चूडेली की हाल नकशा शीट को डाल्ट
दिया जाये।



अप्रार्थित ने अपने जवाब पार्चना पत्र
व शपथ पत्र को पेश कर दौरान कलत्र निवेदन
दिया कि प्रचलित रास्ता है जिसे बंद कर दिया
गया है जिले अन्य सास्तकारों को कलत्र करवाई
व खेती डे खर्चों को करने में डुविधा का
सामना करना पड़ रहा है। दौरान कलत्र अप्रार्थी
अधिवक्ता से अपने जवाब पार्चना पत्र में अर्थात्
तथ्यों को दौरान डुल कडा डे उम्ह रास्ता पूर्वजों
डे समय से ही प्रचलित है; उम्ह रास्ते से अनर्कित
अपने खेती में भारे भारे रहे है। रास्ते बाबत
पूर्व में कमी कोई विवाद नहीं रहा है अनर्कित
गव को अपने खेती तक जाने डे लिए डलले
अर्थात् नजदीक अन्य कोई डे कल्पित रास्ता

Ready

तारीख
हुक्म


हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

रास्ता नहीं है। उभय पक्ष के विद्वान अधिकारियों की बैठक पर मनन किया गया। पत्रावली पर उपलब्ध अभिलेखों तहसीलदार व पटवारी की मौजूदगी में ध्यानपूर्वक अध्ययन किया गया।

पत्रावली पर उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि मुताबिक राजस्व रिकॉर्ड में नक्शाशीट में डीटेड लाइन से रास्ते का भंडन है; जो कि प्राचीन के भूजमा अप्राप्यियों के 3 अन्य खसरा नम्बरों में भी डीटेड लाइन से भंडन है। डीटेड लाइन को विलोपित करने से 3 अन्य खसरा नम्बरों के लयाप्यत 11 अनप्लेड गव के हिट प्रभावित होते हैं; जो कि इनके प्राकृतिक अधिकारों के प्रतिकूल है। अतः भूजमा की जमीन हाल खसरा नं० 119 की उत्तरी सीमा के सघरे सघरे डीटेड लाइन से भंडन रास्ते को विलोपित कर नक्शाशीट की ऊपर स्थित किया जाना -थाप्योचित प्रतीत नहीं होता है। अतः प्राचीन पत्र खारीब किया जाता है पत्रावली के जल शुद्ध होकर नम्बर से उस पत्र की बाक दाखिल दफ्तर की जाती है।



निर्णय खुले न्यायालय में सुना गया।


(श्रीमती शकुन्तला)
उपनिर्वाह अधिकारी मलसोसर
मलसोसर